www.vidyarthiplus.com

This question paper contains 3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

279

B.A. (Programme) /I J

(A)

HINDI DISCIPLINE – Paper I

(हिन्दी अनुशासन)

(हिन्दी कविता, नाटक तथा हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् – नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) सोभित कर नवनीत लिए ।
घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित मुख दधि लेप किए ।।
चारु कपोल लोल लोचन गोरोचन तिलक दिए ।
लट लटकनि मनु मत्त मधुप गन मादक मधुहि पिए ।
कठुला कंठ वज्र केहरि नख राजत रूचिर हिए ।
धन्य सूर एको पल इहिं सुख का सत कल्प जिए ।।

www.vidyarthiplus.com

www.vidyarthiplus.com

(ख) इत बाँट परी सुधि, रावरे भूलनि कैसें उराहनो दीजियै जू ।
अब तौ सब सीस चढ़ाय लई जु कछू मन भाई सु कीजियै जू ।।
घनआनंद जीवन-प्रान सुजान, तिहारियै बातनि जीजियै जू ।
नित नीके रहौ तुम्हैं चाड़ कहा पै असीस हमारियौ लीजियै जू ।।

(ग) छोटे-से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ,
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे - मेरी भोली आत्मकथा,
अभी समय भी नहीं - थकी सोई है मेरी मौन व्यथा । 8 + 8

2. तुलसीदास **अथवा** भवानीप्रसाद मिश्र का साहित्यिक परिचय दीजिए । 7

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कबीर की 'साखियों' का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ख) बिहारी के शृंगारपरक दोहों का मूल स्वर बताइए ।

(ग) 'सखि, वे मुझसे कहकर जाते' कविता के माध्यम से यशोधरा की मनोदशा एवं पीड़ा का चित्रण कीजिए ।

(घ) 'यह धरती है उस किसान की' कविता कवि की सामाजिक यथार्थवादी दृष्टि की परिचायक है, स्पष्ट कीजिए । 6 + 6

4. किसी **एक** अनुच्छेद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है । तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ । फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता । मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है । मेरे लिए वह सम्बन्ध और सब सम्बन्धों से बड़ा है । मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है .... ।

अथवा

www.vidyarthiplus.com

www.vidyarthiplus.com

मैं यहाँ से क्यों नहीं जाना चाहता था ? एक कारण यह भी था कि मुझे अपने पर विश्वास नहीं था । मैं नहीं जानता था कि अभाव और भर्त्सना का जीवन व्यतीत करने के बाद प्रतिष्ठा और सम्मान के वातावरण में जाकर मैं कैसा अनुभव करूँगा । मन में कहीं यह आशंका थी कि वह वातावरण मुझे छा लेगा और मेरे जीवन की दिशा बदल देगा.... और यह आशंका निराधार नहीं थी । **8**

5. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

अभिनेयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए । **12**

6. (क) आदिकालीन काव्य **अथवा** रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । **10**

(ख) छायावाद **अथवा** नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । **10**

---

www.vidyarthiplus.com